

रजनी के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रदर्शन-इलेक्शन ऑफिस के बोर्ड पर पोती कालिख, ज्ञानेश कुमार का फूँका पुतला



■ राहुल कुमार/शिमला

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने मतदाता सूची के स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन के विरोध में राजधानी शिमला में जोरदार प्रदर्शन किया। कसुम्पटी स्थित इलेक्शन डिपार्टमेंट ऑफिस के बाहर एकत्र हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ उग्र नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब कांग्रेस नेताओं ने इलेक्शन डिपार्टमेंट ऑफिस के बाहर लगे बोर्ड पर कालिख पोत दी और उस पर 'चोर आयोग'

❖ एसआईआर की आड़ में हटाए जा रहे मतदाता सूची से पात्र मतदाताओं के नाम

❖ राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक, बनी आगे की रणनीति

लिख दिया।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की और उनका पुतला फूँका। पुतला दहन से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ

तीखी धक्का-मुक्की भी हुई। इस विरोध प्रदर्शन में डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, राज्य के कैबिनेट मंत्री, हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर की आड़ में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। नाम जोड़ने और घटाने की इस प्रक्रिया में धांधली का दावा करते हुए कांग्रेस ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ऑफिस की फुटेज सामने आने के बाद यह साफ हो चुका है, जिसके विरोध में पार्टी अब

देशव्यापी आंदोलन चला रही है।

कसुम्पटी में प्रदर्शन के बाद शिमला स्थित राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। हिमाचल प्रभारी रजनी पाटिल की मौजूदगी में हो रही इस बैठक में एसआईआर के मुद्दे पर प्रदेशस्तरीय आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। भरमौर से सिरमौर तक प्रस्तावित इस यात्रा के जरिए कांग्रेस राज्य को दो भागों (अपर और लोअर हिमाचल) में बांटने की राजनीति का जवाब देगी। इस दौरान एसआईआर और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों को जनता के बीच ले जाया जाएगा।

